PVG's

Muktangan English School & Jr. College, Pune - 9

Summative Written Test - I (2024 - 2025)
Standard - VIII

Subject - Hindi (Entire) | **Marks - 50**
Date - 14.10.2024 | **Time - 8.00 am to 10.00 am**

सूचनाएँ :–

१) सूचनाओ के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।

३) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

४) शुद्ध, स्पष्ट भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ - गद्य १२ अंक

कृति १ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

डॉक्टर ने बाँह पर काला कपड़ा लपेटा और रबड़ की थैली से हवा फूँककर नाड़ी की गति देखी फिर बोला, 'कुछ सीरियस नहीं है, दफ्तर से छुट्टी लेकर बाहर हो आइए; विश्राम आपको पूर्ण निरोग कर देगा । लेकिन, विश्राम भी पूर्ण होना चाहिए' तो पत्नी बड़ी प्रसन्न हुई ।

घर जाकर श्रीमती जी से कह दिया : जुहू की तैयारी कर लो, हम दो दिन पूर्ण विश्राम करेंगे ।

एक दिन बाद पूर्णिमा भी थी । चाँदनी रात का मजा जूहू पर ही है । एक दिन पहले आधी रात से ही उन्होंने तैयारी शुरू कर दी । दो बजे का अलार्म बेल लग गया । स्वयं वह दो से पहले उठ बैठी और कुछ नोट करने लगी ।

श्रीमती जी ने इन सब कामों की सूची बनाकर मेरे हाथ में दी ।

गैरेज में पहुँचकर श्रीमती जी ने मोटर में हवा भरने की पिचकारी, ट्यूब वाल, रबड़ सोल्यूशन, एक गैलन इंजिन आयल आदि - आदि चीजें और भी लिखी थीं । दिन भर दौंड़ - धूप करके पायधुनी से मिस्त्री लाया । सुबह से शाम हो गई मगर शाम तक चार में से दो खिड़कियों की चटखनियाँ भी नहीं कसी गई । मोटर के लिए जरूरी सामान लाते - लाते रात तक दिल की धड़कन दुगुनी हो गई थी ।

रात को सोने लगे तो श्रीमती जी ने आश्वासन देते हुए कहा : कल जुहू पर दिन भर विश्राम लेंगे तो थकावट दूर हो जाएगी ।

श्रीमती जी ने अपने करकमलों से घड़ी की घुंडी घुमाकर अलार्म लगा दिया और खुद बाहर जाकर मोटर का पूरा मुआयना करके यह तसल्ली कर ली कि सूची में लिखा सब सामान आ गया या नहीं । सुबह पाँच बजते ही अलार्म ने शोर मचाया ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए । (१)

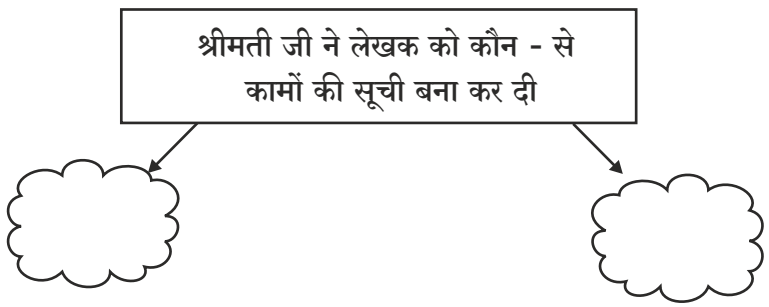

२) i) परिच्छेद में आए दो प्रत्यय युक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए । (१)

१) ☐

२) ☐

ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए पर्यायवाची शब्द लिखिए । (१)

१) शीश = ☐

२) देह = ☐

iii) गद्यांश में आए दो शब्द युग्म की जोडी ढूँढ़कर लिखिए । (१)

१) ☐ २) ☐

३) स्वमत

'स्वास्थ्य के लिए विश्राम आवश्यक है' इस विषय पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए । (२)

कृति १ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

सुखी कैसे बनाया जाए । हमारी परंपरा महिमामयी और संस्कार उज्ज्वल हैं क्योंकि अपने आप पर, अपने आप द्वारा लगाया हुआ बंधन हमारी संस्कृति की बहुत बड़ी विशेषता है ।

मनुष्य पशु से किस बात में भिन्न है । उसमें संयम है, दूसरे के सुख - दुख के प्रति समवेदना है, श्रद्धा है, तप है, त्याग है । इसीलिए मनुष्य झगड़े - टंटे को अपना आदर्श नहीं मानता, गुस्से में आकर चढ़ - दौड़ने वाले अविवेकी को बुरा समझता है । वचन, मन एवं शरीर से किए गए असत्याचरण को गलत मानता है ।

ऐसा कोई दिन आ सकता है जब मनुष्य के नाखूनों का बढ़ना बंद हो जाएगा । प्राणिशास्त्रियों का ऐसा अनुमान है कि मनुष्य का अनावश्यक अंग उसी प्रकार झड़ जाएगा, जिस प्रकार उसकी पूँछ झड़ गई है । उस दिन मनुष्य की पशुता भी लुप्त हो जाएगी । शायद उस दिन वह मरणास्त्रों का प्रयोग भी बंद कर देगा । नाखून का बढ़ना मनुष्य के भीतर की पशुता की निशानी है और उसे नहीं बढ़ने देना मनुष्य की अपनी इच्छा है, अपना आदर्श है ।

मनुष्य में जो घृणा है जो अनायास बिना सिखाए आ जाती है, वह पशुत्व का द्योतक है । अपने को संयत रखना, दूसरे के मनोभावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है । बच्चे यह जानें तो अच्छा हो कि अभ्यास और तप से प्राप्त वस्तुएँ मनुष्य की महिमा को सूचित करती हैं ।

मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है । नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती है । उसको काट देना उस स्वनिर्धारित आत्मबंधन का फल है जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाती है ।

नाखून बढ़ते हैं तो बढ़े, मनुष्य उन्हें बढ़ने नहीं देगा ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए। (१)

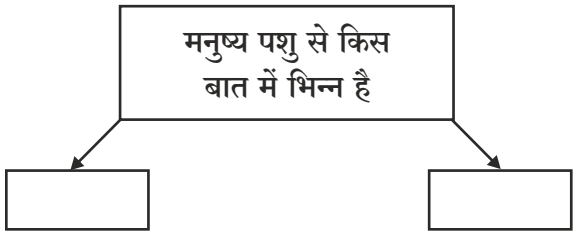

२) i) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए। (१)

१) निशानी = ☐

२) वस्तु = ☐

ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए। (१)

१) आत्मा = ☐

२) व्यक्ति = ☐

iii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। (१)

१) आवश्यक X ☐

२) सुख X ☐

३) स्वमत - 'आदि मानव का रहन सहन' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। (२)

विभाग –२ पद्य १० अंक

कृति २ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

बदला - बदला - सा मौसम है
बदले - से लगते हैं सुर।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर - टुकुर।

तिल रखने की जगह नहीं है
शहर ठसाठस भरे हुए।
उधर गाँव में पीपल के हैं
सारे पत्ते झरे हुए।

मेट्रो के खंभे के नीचे ।
रात गुजारे परमेसुर ।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर - टुकुर ।

इधर शहर में सारा आलम
आँख खुली बस दौड़ रहा ।
वहाँ रेडियो पर स्टेशन
रामदीन है जोह रहा ।
उनकी बात सुनी है जबसे
दिल करता है धुकुर - पुकुर ।

सुरसतिया के दोनों लड़के
सूरत गए कमाने ।
गेहूँ के खेतों में लेकिन
गिल्ली लगीं घमाने ।

लँगड़ाकर चलती है गैया
सड़कों ने खा डाले खुर ।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर - टुकुर ।

१) कृति पूर्ण कीजिए । (१)

लँगडाकर कौन चलती है	®	
सुरसतिया के कितने लड़के है	®	

२) एक शब्द में उत्तर लिखिए । (२)

१) गाँव का देखना -
२) मेट्रो के खंभे के नीचे रात गुजारने वाला -
३) सड़को ने खा डाले -
४) शहर का देखना -

३) 'सुरसतिया के..... गाँव देखता टुकुर - टुकुर' इन पंक्तियों का सरल अर्थ (२)
२५ से ३० शब्दों में लिखिए । (६ - ८ पंक्तियों में)

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

चुप रहने के, यारों बड़े फायदे हैं,
जुबाँ वक्त पर खोलना सीख लीजे ।

कुछ कहने से पहले जरा सोचिए,
खयालों को खुद तौलना सीख लीजे ।

तू - तड़ाक हो या फिर हो तू - तू - मैं - मैं,
अपने आपको टोकना सीख लीजे ।

पटाखे की तरह फटने से पहले,
रोशनी के रंग घोलना सीख लीजे ।

कटु वचन तो सदा बोते हैं काँटे,
मीठी बोली के गुल रोपना सीख लीजे ।

बात बेबात कोई चुभने लगे तो,
बदलकर उसे मोड़ना सीख लीजे ।

ये किसने कहा होंठ सीकर के बैठो,
जरूरत पे मुँह खोलना सीख लीजे ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए । (२)

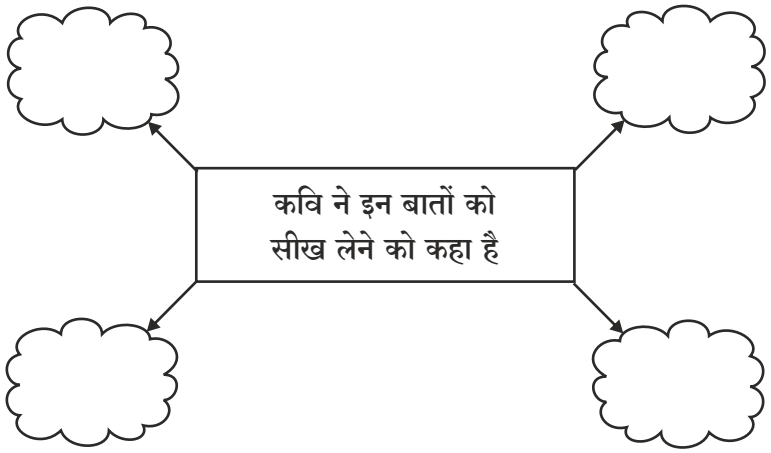

२) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए । (१)

i) काँटा =

ii) पटाखे =

३) 'चुप रहने के ..... खुद तौलना सीख लीजे' ।

इन पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दो में लिखिए । (६ - ८ पंक्तियों में) (२)

विभाग ३ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : १० अंक

कृति ३ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद (सव्यय) पहचानकर लिखिए । (१)

i) <u>ताजमहल</u> आगरा में स्थित है ।

२) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । (१)

i) छि : !

ii) और

३) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से <u>कोई एक</u> कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए । (१)

i) हमारे शहर में एक कवि है ।

ii) रमा अपने कमरे से निकल रही थी ।

कारक चिह्न	कारक भेद

४) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए । (१)

I) फिसलने का डर हमेशा लगा रहा ।

ii) उसका अनुभव हमने कर लिया ।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया

५) निम्नलिखित में से <u>किसी एक</u> क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए । (१)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप
i) खाना		
ii) डरना		

६) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किसी एक</u> मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । (१)

मुहावरा अर्थ वाक्य

i) आँखो से ओझल होना _____ _____

ii) हाथ बँटाना _____ _____

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए ।

(डींग मारना, बाएँ हाथ का खेल है)

I) सलिल के लिए मेडिकल की प्रवेश परीक्षा <u>बहुत आसान है</u> । ।

७) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिरसे लिखिए । (२)

i) एक किसान ने मेरे को देखी ।

ii) यह सभ पुस्तके ले जाओ ।

८) निम्नलिखित विरामचिह्नों के नाम लिखिए । (२)

	चिह्न		नाम
I)	?	=	
ii)	!	=	

(विभाग ४ – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) १८ अंक)

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है ।

कृति ४ अ) पत्रलेखन

१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए । (५)

सुमित / सुनिता सावंत, अनुपम नगर, कांदिवली, मुंबई से अमित /अमिता गोडबोले, २५ वसुंधरा सोसायटी, पंचवटी नाशिक को चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में अपने मित्र / सहेली को बधाई देते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

२) गद्य आकलन - प्रश्न निर्मिति : (४)

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक - एक वाक्य में हो ।
(केवल प्रश्न ही बनाइए)

मनुष्य जहाँ जन्म लेता है । वहाँ की धूल में खेलकर बड़ा होता है । वहाँ से उसे स्वाभाविक प्रेम हो जाता है । वहाँ के सभी लोग उसके जाने-पहचाने हो जाते है । लगभग सभी उसके समान भाषा बोलते हैं और सभी का रहन - सहन एक - सा होता है । ऐसी दशा में वहाँ लोगों से उसकी ममता का होना स्वाभाविक है । मनुष्य चाहे कितने ही अच्छे स्थान पर क्यों न रहने लगे, उसका मन जन्मभूमि में पहुँचने को उत्सुक रहता है । जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है । जिस देश में हमने जन्म लिया है, जिसके अन्न, जल और वायु से हमारा पालन हुआ है, उसके प्रति प्रेम की भावना रखना हमारा कर्तव्य है । देश की उन्नति में ही हमारी उन्नति है । यदि देश गिरी दशा में होगा, तो न हम अधिक दिन संपन्न रह सकते हैं और न हमारा मान हो सकता है । देश के प्रति सबको ममता की भावना रखनी चाहिए ।

आ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए । (४)
तथा सीख भी लिखिए ।

एक विद्यार्थी - परीक्षा में असफल रहना - निराश होना - मकड़ी द्वारा पेड़ पर बार - बार चढ़ने का प्रयत्न करना - विद्यार्थी का देखना - सफलता का मार्ग मिलना - वापस आना - ध्यान से पढ़ना - सफल होना - सीख - शीर्षक ।

इ) निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग ८० - १०० शब्दों में निबंध लिखिए । (५)

१) मेरा प्रिय फूल

२) हमारा राष्ट्रीय पक्षी - मोर

❖❖❖